ओ३म्
कृण्वन्तो विश्वमार्यम्
साप्ताहिक
आर्य सन्देश
दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा का मुखपत्र

देव त्वष्टर्वर्धय सर्वसातये। **अथर्ववेद 613/3**

सब सुखों के दाता परमेश्वर ! जगत निर्माता प्रभो! हमें इतना समृद्ध कर कि सब कुछ पा सकें।

O God ! The bestower of happiness and prosperity, Creator of the world ! make us so capable that we may attain all that we aspire for.

वर्ष 38, अंक 28 एक प्रति : 5 रुपये
सोमवार 25 मई, 2015 से रविवार 31 मई, 2015
विक्रमी सम्वत् 2072 सृष्टि सम्वत् 1960853116
दयानन्दाब्द: 192 वार्षिक शुल्क: 250 रुपये पृष्ठ 8
फैक्स : 23365959 ई-मेल : aryasabha@yahoo.com
इंटरनेट पर पढ़ें- www.thearyasamaj.org/aryasandesh

दिल्ली में 50 वर्ष पुराना आर्य समाज मंदिर डीसीएम रेलवे कालोनी तोड़ने के विरोध में

उ. दिल्ली नगर निगम के विरुद्ध विराट धरना एवं प्रदर्शन

हजारों की संख्या में मौजूद आर्य समाज की संगठन शक्ति की विजय

आर्य समाज मंदिर की स्थिरता के वचन के साथ आन्दोलनकारी माने मेयर रविन्द्र गुप्ता ने दिया सार्वजनिक वचन

दिल्ली 24 मई, 2015, रविवार। आर्य समाज मन्दिर डीसीएम रेलवे काला.नी को तोड़े जाने के विरोध में दिल्ली की समस्त आर्य समाजों एवं आर्य संस्थाओं द्वारा विराट धरना व विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया गया।

आर्यसमाज मन्दिर डी.सी.एम. रेलवे कालोनी, निकट फिल्मिस्तान, बाड़ा हिन्दूराव, दिल्ली-110006 की स्थापना 5 मई, 1962 में हुई थी। रेलवे विभाग द्वारा क्षेत्र के आर्य महानुभावों की भावनाओं को देखते हुए यह जमीन प्रदान की गई थी। रेलवे कालोनी होने के कारण इस समाज के अधिकतर सदस्य रेलवे के कर्मचारी ही रहे हैं। अपनी स्थापना से लेकर अब तक यह आर्यसमाज निरन्तर वैदिक धर्म के प्रचार-प्रसार में संलग्न है। यहां समय-समय पर देशभक्तों की स्मृति में कार्यक्रम आयोजित होते रहते हैं।

इस धरने-प्रदर्शन और ट्रैफिक जाम के बीच उत्तरी दिल्ली नगर निगम के महापौर श्री रविन्द्र गुप्ता मंच पर पहुंचे। उन्होंने दिल्ली नगर निगम के इस कृत्य पर दु:ख व्यक्त करते हुए कहा कि जो हुआ बहुत बुरा हुआ है मैं इस कार्य की निन्दा करता हूं। उन्होंने कहा कि आर्यसमाज राष्ट्रवादी शक्ति है। हम नहीं चाहते कि आर्यसमाज की सकारात्मक शक्ति धरने और प्रदर्शन में लगे। मैं आदरणीय महाशय धर्मपाल जी और सब सन्यासियों के समक्ष आपको आश्वासन नहीं, वचन देता हूं कि यह आर्यसमाज इसी क्षेत्र में निरन्तर मजबूती से कार्य करती रहेगी। एक सप्ताह के अन्दर इस सम्बन्ध में आर्यसमाज के नेताओं से चर्चा करके निर्णय अवश्य लिया जाएगा। श्री गुप्ता द्वारा सार्वजनिक रूप से दिए गए वचन पर सभा के अध्यक्ष महाशय धर्मपाल जी ने आर्यजनों से परामर्श करके उन्हें 15 दिनों का समय देते हुए कहा कि आर्यसमाज 15 दिनों के लिए अपना यह आन्दोलन स्थगित करता है।

विदित हो कि गत 20 मई 2015 को एमसीडी द्वारा आर्य समाज मन्दिर डीसीएम रेलवे कालोनी को बिना किसी पूर्व सूचना के तोड़ दिया। तभी से घटना स्थल पर निरन्तर यज्ञ एवं भवन पुनर्निर्माण का कार्य चलाया जा रहा है। आर्यसमाज के उत्साही कार्यकर्ताओं ने द्रुत गति से कार्य करते हुए 3-4 दिनों में मन्दिर पुनर्निर्माण का कार्य पूर्ण कर लिया किन्तु मन्दिर तोड़े जाने की सूचना से दिल्ली की समस्त आर्य जनता में रोष व्याप्त है। आर्यसमाज के संगठन की ओर से रविवार 24 मई को विराट धरने एवं विरोध प्रदर्शन का कार्यक्रम रखा गया।

ज्ञातव्य है कि आर्यसमाज का संगठन इस आर्यसमाज मन्दिर को इस योजना से बचाने एवं संरक्षण देने की निरन्तर मांग करता रहा है तथा रेलवे एवं निगम अधिकारियों को लिखता रहा है। जिस पर ढुल-मुल प्रतिक्रिया से रेलवे एम.सी.डी. के पास तथा एम.सी.डी. रेलवे के पास जाने के लिए कहता रहा है।

आज आर्यसमाज दिल्ली के शीर्ष संगठन दिल्ली आर्य प्रतिनिधि के निर्देशन में आर्य केन्द्रीय सभा, समस्त वेद प्रचार

...शेष पृष्ठ 2 पर

धरना-प्रदर्शन करता विशाल जनसमूह।

यज्ञ कराते आचार्य प्रणव देव जी के साथ गुरुकुल गौतम नगर के आचार्य स्वामी प्रणवा नन्दजी एवं अन्य सन्यासीवृंद।

महाशय धर्मपाल जी के नेतृत्व में विरोध मार्च निकालते हुए आर्यजन।

द्वेषी को अपना प्रशंसक बनाने वाला सुवीर कहलाता है

आचार्य अभयदेव

नयसीद्वति द्विषः कृणोष्युक्थशंसिनः। नृभिः सुवीर उच्यसे।। ऋ0-6/45/6
ऋषिः-**बार्हस्पत्यः शंयुः**।। देवता-**इन्द्रः**।। छन्दः-**गायत्री**।।

शब्दार्थ- हे इन्द्र! **द्विषः**- द्वेष करने वाले के द्वेषभाव को **इत् उ**- निश्चय से **अति नयसि**- निकाल डालता है। **तान्**-उन्हे **उक्थशंसिनः**-अपना प्रशंसक **कृणोषि**-बना देता है। **नृभि**-सच्चे मनुष्यों से तू **सुवीर उच्यसे**-सुवीर कहाता है।

विनय- ''सुवीर''- सर्वश्रेष्ठ वीर-किसे कहना चाहिए? अन्त में तो प्रत्येक गुण की पराकाष्ठा भगवान् में ही है, परिपूर्ण वीरता का निवास भी उन्हीं में है। उनकी वीरता का अनुकरण करने वाले मनुष्य, नर लोग, सच्चे पुरूष उन भगवान् को ही सुवीर नाम से पुकारते हैं, पर उनकी वीरता कैसी है?

अज्ञानी लोग समझते हैं कि अपने शत्रु, द्वेषी को हानि पहुंचाने में सफल हो जाना ही बहादुरी है। यह निरा अज्ञान है। क्रोध के वश में आ जाना तो हार जाना है। क्रोधवश होकर मनुष्य केवल अपने को विषयुक्त करता और जलाता है एवं क्रोधी अपने शत्रु का नाश क्या करेगा?वह तो अपना नाश पहले कर लेता है। ज्यों-ज्यों हम अपने द्वेषी के लिए अनिष्ट-चिन्तन करते हैं, त्यों-त्यों उसमें हमारे प्रति द्वेष और बढ़ता जाता है। उसका द्वेष, उसका शत्रुपना बढ़ता जाता है। शत्रु को हानि पहुंचा लेने पर उसके शरीर को चोट दे लेने पर यहां तक कि उसे मार डालने पर भी उसकी शत्रुता नष्ट नहीं होती, वह तो और-और बढ़ती जाती है शत्रु के शरीर का शरीर का, धन का, मान का एवं उसकी अन्य सब वस्तुओं का नाश करने में हम चाहे सफल हो जाएं, पर उतना ही उतना वह शत्रु (असली शत्रु) बढ़ता जाता है, उसका शत्रुपना बढ़ता जाता है। यह क्या हुआ? वीरता (परमात्मदेव से अनुकरणीय सच्ची वीरता) इसमें है कि वह उसकी बाहरी किसी चीज का नाश न करें (और क्रोध से हम अपना भी नाश न करें) किन्तु किसी तरह उसकी शत्रुता का नाश कर दें। उसके अन्दर हम ऐसे घुसें कि वह हमारा शत्रु न रहे, वह मित्र हो जाए। बहादुरी इसमें है कि हम क्रोध को जीतकर, धैर्य रखकर अपने द्वेषी के द्वेषभाव को बिल्कुल निकाल डालें, ऐसा निकाल डालें कि वह हमारी निन्दा करना तो दूर रहा, वह हमारी प्रशंसा के गीत गाने लगे। यह है शत्रु पर विजय पाना परंतु ऐसी विजय पाने के लिए अपने में बड़ा भारी बल चाहिए। अपने में बलिदान की न समाप्त होने वाली शक्ति चाहिए बड़ा धैर्य चाहिए, बड़ी भारी वीरता चाहिए। हम भी परिमित अर्थ में बोला करते हैं कि वीर वह जिसकी शत्रु भी प्रशंसा करें, पर हमें तो अपरिमित अर्थ में उस भगवान् की सुवीरता का आदर्श अपने सामने रखना चाहिए जिनके विषय में भक्त लोग समझते हैं कि आज संसार में जो लोग बिल्कुल उलटे रास्ते जा रहे हैं वे भी एक दिन लौटकर भगवद्भक्त - भगवान के प्रशंसक बनेंगे और मुक्त होंगे। भगवान की उस अपरिमित वीरता में से, हृदय परिवर्तन करने की उनकी इस अनन्त शक्ति में से और उनके अनन्त धैर्य में से हम भी कुछ ले-लें, हम भी वीर बनें।

-साभार वैदिक विनय

दैनिक यज्ञ का व्रती परिवार

1990 को मौसम विहार में गीता मंदिर की स्थापना हमने वैदिकयज्ञ से करवाई। मंदिर में परीक्षा से पहले हमने जब मौसम विहार में 1984 में अपने घर की नींव रखी और 1985 में गृह प्रवेश करने के लिए यज्ञ करना था। नजदीक कोई आर्य समाज नहीं होने के कारण कोई वैदिक पंडित नहीं मिल सका तो दूर से पंडित जी को लाना पड़ा। 1988 में जब हमने मौसम विहार में रहना शुरू किया तो माता अग्निहोत्री जी की प्रेरणा से हमने अपने घर में दैनिक यज्ञ करना शुरू कर दिया और मौसम विहार में घरों में यज्ञ करवाना शुरू कर दिया। 19 जनवरी बच्चों को गायत्री यज्ञ करवाया जाता है। विद्वानों के प्रवचन करवाये जाते हैं। वैदिक साहित्य पुरस्कार के रूप में बच्चों में बांटे जाते हैं। दिल्ली में दूर-दूर के क्षेत्रों में यज्ञ करवाते हैं और वैदिक साहित्य बांटते हैं। जिन घरों में यज्ञ करवाते हैं उन्हें हवन कुंड भी देते हैं जो हवन करना चाहे क्योंकि 101 हवन कुंड रिटायरमैंट के बाद बांटने का संकल्प था। इसी यज्ञ की प्रेरणा से ही हमने अन्तर्जातीय विवाह करवाये। जहां उनके माता-पिता नहीं आए वहां कन्यादान भी किया। अब गीता मंदिर में यज्ञ करते 25 वर्ष हो गए हैं। वैदिक ज्ञान-प्रकाश के गरिमापूर्ण 25वें वर्ष के उपलक्ष्य में 100 सत्यार्थ प्रकाश और गायत्री मंत्र एवं महापुरूषों के चित्रों से सुसज्जित 100 कलेन्डर बांटे हैं।

संचालक एवं प्रचारक सुरेंद्र मोहन विजय लक्ष्मी पाहवा गीता मंदिर, मौसम विहार

पृष्ठ 1 का शेष **दिल्ली में 50 ...**

मंडलों, समस्त आर्यसमाजों एवं आर्य संस्थाओं ने तोड़े गए मन्दिर स्थल पर प्रातः 10.00 बजे आचार्य प्रणव देव ने वृहद् यज्ञ कराया, विरोध जनसभा एवं मुख्य सड़क पर धरना दिया गया। मन्दिर स्थल से डी.सी.एम. चौक तक विरोध मार्च निकाला गया था। मुख्य मार्ग पर धरना एवं विरोध जनसभा का आयोजन महाशय धर्मपाल जी की अध्यक्षता में किया गया।

जन सभा का संचालन करते हुए दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के महामन्त्री श्री विनय आर्य ने उत्तरी दिल्ली नगर निगम के इस कृत्य की कटु शब्दों में निन्दा करते हुए कहा कि विकास का कार्य आवश्यक है किन्तु आस्था के केन्द्र आर्यसमाज मन्दिर की अनदेखी करना अनुचित है। उन्होंने कहा कि इस निर्माणाधीन फ्लाई ओवर के रास्ते में आने वाले समस्त धार्मिक स्थलों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई। मस्जिदों एवं चर्चो को बचाने के लिए फ्लाईओवर में मोड़ दिए गए किन्तु आर्यसमाज मन्दिर के साथ एक तरह से सौतेला व्यवहार दिल्ली नगर निगम ने किया है।

आर्य केन्द्रीय सभा के प्रधान महाशय धर्मपाल जी ने कहा कि आर्यसमाज शान्तिप्रिय धार्मिक संस्था है जिसने देश की आजादी से पूर्व तथा बाद में देश के निर्माण में अतुलनीय सहयोग दिया है, ऐसी संस्था के मन्दिरों के साथ इस प्रकार का व्यवहार कदापि उचित नहीं कहा जा सकता। इसकी जितनी निन्दा की जाए कम है।

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान श्री धर्मपाल आर्य जी ने कहा कि दिल्ली नगर निगम को अपने इस पक्षपात पूर्ण कार्य को भूल मानकर इसी स्थान पर आर्यसमाज मन्दिर का पुनर्निर्माण कराना होगा अन्यथा यज्ञ के साथ यह धरना प्रदर्शन और अधिक बल के साथ जारी रहेगा तथा सरकार के विरुद्ध और भी उग्र प्रदर्शन किए जाएंगे।

आर्य प्रतिनिधि सभा के हरियाणा के मन्त्री मा. रामपाल ने कहा कि आज हम यहां केवल प्रतिनिधि के रूप में आए हैं यदि हमारी मांगे सरकार ने नहीं मानी और यहीं मन्दिर नहीं बनाकर दिया तो जैसे हरियाणा में रामपाल के विरुद्ध कार्यवाही की है उसी प्रकार की कार्यवाही देखने के लिए दिल्ली नगर निगम भी तैयार रहे।

आर्य प्रतिनिधि सभा उ.प्र. के प्रधान श्री देवेन्द्र पाल वर्मा जी ने कहा कि जिस प्रकार इस फ्लाई ओवर के रास्ते में आने वाले धार्मिक स्थलों को संरक्षण दिया गया है वैसे ही आर्यसमाज को भी संरक्षण दिया जाना चाहिए। किन्तु यदि ऐसा नहीं किया गया तो आर्यसमाज इसका विरोध करेगा और इसी स्थान में आर्यसमाज मिण्टो रोड की तरह पुनः मन्दिर का निर्माण करके रहेगा। आवश्यकता पड़ी तो हम उ. प्र. की 2500 आर्यसमाजों के साथ धरना देंगे।

विश्व हिन्दू परिषद् के प्रवक्ता श्री विनोद बंसल ने कहा कि विश्व हिन्दू परिषद् पूरी तरह से आर्यसमाज के साथ खड़ा है, यदि कहीं भी किसी भी स्थिति का सामना करना होगा तो विश्व हिन्दू परिषद् सबसे आगे खड़ा होगा।

स्थानीय विधायक श्री विशेष रवि ने कहा कि मैं आर्यसमाज का सिपाही हूं और इस मन्दिर के पुनः निर्माण के लिए जो भी आवश्यकता होगी उसे में अपने स्तर पर एवं मुख्यमन्त्री स्तर पर बात करके पूर्ण करने का प्रयास करुंगा।

पूर्व महापौर श्री चन्दोलिया ने कहा कि फ्लाई ओवर का यह प्रोजेक्ट वर्षों से अटका हुआ है। इसके रास्ते में आने वाले समस्त धार्मिक स्थलों को वैकिल्पक स्थान देने का प्रयास किया जा रहा है। मैं आपसे वादा करता हूं कि जब तक आर्यसमाज को अन्यत्र स्थान नहीं दिया जाता तब तक दिल्ली नगर निगम इस मन्दिर को छूएगा भी नहीं।

मुजफ्फरपुर (बिहार) से पधारे डॉ. सिंगला जी ने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर बिहार का आर्यसमाज दिल्ली के लिए कूच करेगा और इस आन्दोलन को मजबूती प्रदान करेगा।

दोपहर 2 बजे आर्यसमाज मन्दिर डीसीएम से आर्यसमाज के कार्यकर्ता, नेता, बच्चे, बूढ़े और युवा कार्यकर्ता डी.सी.एम. चौक रानी झांसी मार्ग पर विरोध प्रदर्शन एवं धरना देने के लिए पहुंचे और पूरे जोश के साथ पूरी तरह से ट्रैफिक जाम कर दिया। इस धरने-प्रदर्शन और ट्रैफिक जाम के बीच उत्तरी दिल्ली नगर निगम के महापौर श्री रविन्द्र गुप्ता मंच पर पहुंचे। उन्होंने दिल्ली नगर निगम के इस कृत्य पर दुःख व्यक्त करते हुए कहा कि जो हुआ बहुत बुरा हुआ है मैं इस कार्य की निन्दा करता हूं। उन्होंने कहा कि आर्यसमाज राष्ट्रवादी शक्ति है। हम नहीं चाहते कि आर्यसमाज की सकारात्मक शक्ति धरने और प्रदर्शन में लगे। मैं आश्वासन नहीं वचन देता हूं कि यह आर्यसमाज इसी क्षेत्र में निरन्तर मजबूती से कार्य करती रहेगी। एक सप्ताह के अन्दर इस सम्बन्ध में आर्यसमाज के नेताओं से चर्चा करके कोई न कोई निर्णय अवश्य लिया जाएगा। श्री गुप्ता जी द्वारा सार्वजनिक रूप से दिए गए वचन

...शेष पेज 4 पर

महात्मा हंसराज जी प्रेरक पंच सकार- डॉ. महेश विद्यालंकार

डॉ. महेश विद्यालंकार जी द्वारा लिखित इस लेख में महात्मा हंसराज की शिक्षा एवं जीवन दर्शन को पंच सकारों के माध्यम से स्पष्ट किया है। वास्तव में संध्या आदि सकारों का महत्त्व प्रत्येक आर्य के लिए उपयोगी प्रेरक एवं आवश्यक है, जिनका पालन करना मानव को मानवता की ओर अग्रसर करता हैं जिसको पाठकों के संज्ञान हेतु आर्य संदेश के इस अंक में प्रकाशित किया गया है। - **सम्पादक**

भारत महापुरुषों की जन्मस्थली और कर्मस्थली रहा है। इसी परम्परा में अनेक तपस्वी, त्यागी, बलिदानी, सुधारक और जीवनदानी सत्पुरुष अपने कृतित्व एवं व्यक्तित्व से स्मरणीय, वन्दनीय एवं अनुकरणीय रहे हैं।

इसी श्रृंखला में महात्मा हंसराज जी को सम्पूर्ण आर्य जगत् एवं शिक्षा क्षेत्र बड़ी श्रद्धा भक्ति, सम्मान एवं आदर से स्मरण करता है। विद्या की वृद्धि और अविद्या का नाश जो ऋषिवर का उद्देश्य तथा संदेश था, उसे अजर-अमर और दीप्यमान रखने के लिए डीएवी संस्था के माध्यम से जो श्रद्धांजलि दी गई थी, महात्मा हंसराज जी उस संस्था के आधार एवं मजबूत कड़ी थे। उन्होंने डीएवी परिवार की आजीवन अवैतनिक सेवा की भीष्म प्रतिज्ञा की थी, उसे इतिहास युग-युग तक दोहराएगा और आने वाली पीढ़ी को शिक्षा व प्रेरणा का संदेश देता रहेगा। उनके जीवन की सादगी, तप-त्याग, सेवा आदि आज भी उपयोगी व प्रासंगिक है। सफेद कपड़ों में रहते हुए महात्मा का सम्मान प्राप्त कर लेना उनके व्यक्तित्व की अनूठी विशेषता थी। उनका जीवन बोलता था। उनके जीवन से प्रेरित होकर न जाने कितनों ने जीवन बदले और बना लिए।

महात्मा जी ने आस्तिक, धार्मिक, नैतिक सामाजिक, राष्ट्रीय मूल्यों से ओत-प्रोत और मानवीय गुणों से युक्त मानव बनने के लिए पंच सकारों का अमर सन्देश दिया है। जो आज के जीवन-जगत् के लिए अत्यंत प्रेरक उपयोगी एवं महत्त्वपूर्ण है।

संध्या- प्रत्येक मनुष्य का परम कर्त्तव्य है वह अपने जीवनदाता, निर्माता, पालक संचालक परमेश्वर का प्रातः-सायं स्मरण और धन्यवाद करे। संसार में सबसे बड़ा पापी व अपराधी वह होता है जो किए हुए उपकारों, अहसान एवं कृपा को न माने। सोया आदमी और मरा आदमी बराबर होता है जो हम प्रातः उठ गए हैं तो समझो हमारा नया जन्म हुआ है। जिसने जन्म दिया है, उसके प्रति कृतज्ञता एवं धन्यवाद प्रकट करना हमारा प्रथम धर्म व कर्म है। महात्मा जी सदैव लोगों को और विद्यार्थियों को प्रेरित करते थे आस्तिक एवं धार्मिक बनो। प्रभु की सत्ता, व्यवस्था, नियम अनुशासन आदि पर विश्वास करो। प्रभु की दया और कृपा के बिना हमारा जीवन एक पल भी नहीं चल सकता है। संध्या करने से हमारा जीवन संभलता, मधुरता तथा सन्मार्ग प्रेरित बना रहता है। सन्धा से आत्मबल और प्रभु प्रीति बढ़ती जाती है। संध्या आत्मा का भोजन कहलाती है। जैसे शरीर बिना भोजन के कमजोर शक्तिहीन हो जाता है। ऐसे ही बिना प्रभु भक्ति के आत्मा कमजोर और कुमार्ग गामी होने लगती है।

स्वाध्याय-जो सद्ग्रन्थ जीवन लक्ष्य की प्राप्ति की ओर प्रेरित करे। जो हमें जीवन जगत में कर्त्तव्य, धर्म, जीवन मूल्य और सच्चे मुख- शांति, आनन्द की ओर ले चलें।

ऐसे श्रेष्ठ, प्रेरक ग्रन्थों का पढ़ना-पढ़ाना सच्चा स्वाध्याय कहलाता है। अच्छी पुस्तकें और मित्र औषधि का काम करते हैं। एकांत व अकेलेपन के सदग्रंथ उत्तम साथी माने गए हैं। दूसरा स्वाध्याय का अर्थ है। अपने को पढ़ना, जानना, समझना और अपने बारे में सोचना मैं कौन हूं? कहां से आया हूं? क्यों आया हूं? कहां जाना है? क्या लेकर जाना है? ये सच्चा स्वाध्याय है। आज आम आदमी संसार की चीजों, योगों, बातों आदि के बारे सब कुछ जानता है, मगर अपने बारे में अनभिज्ञ है। आज की जीवन शैली में सच्चा स्वाध्याय बड़ी तेजी छूट रहा है। मनुष्य मशीन बनकर दौड़ा जा रहा है, मगर ये पता नहीं है, कहां जाना है? यही आज के मानव समाज की सबसे बड़ी त्रासदी है। स्वाध्याय से विचार हृदय और जीवन बदलता है। स्वाध्याय से तनाव, चिंता, अशांति, असंतोष आदि दूर होते है। महात्मा जी स्वाध्याय पर विशेष बल देते थे। वे स्वयं स्वाध्यायशील थे।

सत्संग-सत्संग की अनन्त महिमा है। सत्संग मनुष्य को डाकू से संत बना देता है। आचार, विचार, जीवन परिवर्तन का सत्संग से बढ़कर कोई अन्य प्रेरक साधन नहीं है। इतिहास साक्षी है। सत्संग के चमत्कारी प्रभाव से न जाने कितने लोग सन्त ज्ञानी, तपस्वी, त्यागी एवं महा पुरुष बन गए। ऋषिवर के व्यक्तित्व का ऐसा चुम्बकीय प्रभाव था, जो संपर्क में आया वह बदल गया। मुंशीराम ने बरेली में एक प्रवचन सुना, श्रद्धानन्द बन गए। भोग विलास दुर्गुणों में फंसे अमीचन्द में एक वाक्य सुना, तुम हो तो हीरे पर कीचड़ में फंसे हुए हो, जीवन बदल गया। महात्मा हंसराज जी, गुरुदत्त जी पं. लेखराम जी आदि ने ऋषि को देखा और सुना। जीवन बदल गए। आज सच्चा सत्संग न मिलने के कारण जीवन और विचार नहीं बदल पा रहे हैं। महात्मा जी सच्चे सत्संग पर जोर देते थे।

संयम- संयम जीवन का आधार है। संयम से जीवन स्वच्छ पवित्र और स्वस्थ बना रहता है।

जिनके जीवन में संयम नियम व अनुशासन नहीं होता उनका जीवन पशुतुल्य माना गया है। संयम से तन-मन विचार और आचरण संभला सुधरा रहता है। आज तेजी से संयम टूट व छूट रहा है। इसी का परिणाम है मनुष्य पशुता व असभ्यता की ओर बढ़ रहा है। महात्मा जी अपने जीवन में नियम संयम के उदाहरण थे। अपने संपर्क में आने वालों और विद्यार्थियों को संयम का सन्देश देते थे। संयम से जीवन उठता है। जब संयम टूटता है तो पतन के सैकड़ों रास्ते खुल जाते हैं।

सेवा- जीवन की सार्थकता परोपकार व परहित में मानी गई है। सेवा धर्म बड़ा कठिन माना गया है। महात्मा जी सदैव लोगों को प्रेरणा देते थे। अपने से जो बने, सेवा के कार्य करते चलो। जो दूसरों के काम आता है वही सच्चे अर्थ में इन्सान कहलाता है। वेद कहता है दुनियां में सबसे बड़ा सुख है, दूसरों के लिए जीओ। दूसरों के काम आओ। गीता का भी यही संदेश है, निःस्वार्थ भाव से किए हुए कर्म मनुष्य को मुक्ति तक पहुंचाते हैं। संसार उन्हीं को करता है जो दूसरों के उपकार में जीवन लगा जाते है। ऐसे व्यक्ति ही अमर पद के अधिकारी बनते हैं।

संक्षेप में महात्मा हंसराज जी ने पंच सकारों के माध्यम से जो जीवन के लिए अमूल्य उपदेश, संदेश और चिंतन दिया है। आज इसकी अत्यंत आवश्यकता है। इन्हीं विचारों से जीवन जगत में सच्चा सुख, प्रसन्नता आनन्द की प्राप्ति संभव है। महात्मा जी के व्यक्तित्त्व को संस्मरण एवं शत्-शत् नमन।

पुस्तक समीक्षा

''चारों वेदों के समान मंत्रों का तात्पर्यार्थ चिन्तन''

यह ग्रंथ एवं नाम से ही विषय को प्रस्तुत कर रहा है। इस पुस्तक के रचयिता वैदिक विद्वान् डॉ. चन्द्रकांत गर्जे ने इस पुस्तक के माध्यम से वेदों पर कई आक्षेपों का निराकरण तो किया ही है साथ ही महर्षि दयानन्द सरस्वती के मार्ग का अनुसरण करते हुए, वेद के विषय में लोगों की भ्रांतियों का सप्रमाण निराकरण किया गया है। कुछ पाश्चात्म विद्वानों का कथन है कि वेदों में पुनरक्ति दोष है, वेदों में इतिहास है अथवा वेदों में अश्लीलता है इत्यादि कुमान्यताओं को आदरणीय डॉ. गर्जे ने इन समस्त कुतर्को का मुहतोड़ जबाब ही नहीं दिया अपितु सप्रमाण वेद मंत्रों की सरल व्याख्या चारों वेदों के विषम मंत्रों का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया। पाश्चात्य विद्वानों ने जिन मंत्रां के विषय में वेद में पुनरूक्ति दोष कहा। श्री गर्जे साहब ने उन मंत्रों को चारों वेदों से उद्धृत किया, जो मंत्र जितनी बार एक वा अधिक वेद में आया उस मंत्र उस-उस मंत्र की वही-वही व्याख्याचारों वेद भाष्यों से तुलनात्मक रूप से प्रस्तुत की और उनके अर्थ भेदों को विशद रूप से स्पष्ट किया है और यह सिद्ध किया कि वेद में कोई मंत्र जितनी बार आया उसके अर्थ में उतनी ही बार प्रकरण प्रदत्त भेद सुस्पष्ट है।

वेदार्थ को दर्शाते हुए ग्रंथ में धात्वर्थ बोध विशेषता पर भी प्रकाश डाला है। क्योंकि धात्वर्थ ज्ञान के बिना ही पुनराक्ति का आभास होता है, जिसके कारण साधारण अथवा असंस्कृत विद्वानों ने वेदार्थ को सामान्य लौकिक परम्पराओं से जोड़कर वेद में इतिहास की गणना की, वेदार्थ रहस्य को न समझने के कारण अश्लीलता का आभास किया। जो वेद की अवधारणाओं के विरूद्ध तो है ही साथ ही एक अपराध भी है जो अनभिज्ञता का द्योतक है। तो आइए! डॉ. चन्द्रकांत गर्जे द्वारा रचित इस अद्भुत ग्रंथ का अध्ययन करे जो वेद मंत्रों की तुलनात्मक व्याख्या से अनेक शंकाओं को निर्मूलन होगा। इस पुस्तक में वेद मंत्रों की अनेक विद्वानों की सरल व्याख्याओं का संकलन है। सुन्दर छपाई 203 पृष्ठों में सजिल्द 150/-रुपए प्रिंटिंग मूल्य दिल्ली सभा के विक्रय विभाग में उपलब्ध है। प्रकाशक श्री घूड़मल प्रहलाद कुमार आर्य धर्मार्थ न्यास हिण्डौन सिटी (राजस्थान) लेखक डॉ. चन्द्रकांत गर्जे 26 अप्रैल 1942 में बीदर (कर्नाटक) में जन्मे। सेवानिवृत्त प्राध्यापक यशवंतराव चहवाण महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ नाशिक (महाराष्ट्र)।

अनेक उपन्यासों पर शोध ग्रंथ लेखक आर्य समाज के मन्तव्यों के प्रचार-प्रसार में संलग्न है। आपका यह अद्भुत ग्रंथ 'चारों वेदों के समान मंत्रो का तात्पर्यार्थ चिन्तन' अवश्य पढ़े। स्वयं के लाभावित करें अन्यों को भी प्रेरित करें।

पृष्ठ 2 का शेष **दिल्ली में 50 ...**

पर सभा के अध्यक्ष महाशय धर्मपाल जी ने आर्यजनों से परामर्श करके उन्हें 15 दिनों का समय देते हुए कहा कि आर्यसमाज 15 दिनों के लिए अपना यह आन्दोलन स्थगित करता है। याद रखें कि यह धरना –प्रदर्शन केवल स्थगित किया गया है समाप्त नहीं। यदि इन दिनों में कोई ठोस हल नहीं निकाला गया तो आर्यसमाज को पुनः मजबूर होकर फिर से आन्दोलन करना होगा, जिसकी जिम्मेदारी पूर्णतः महापौर एवं उ. दिल्ली नगरनिगम की होगी। इस अवसर पर अनेकानेक राजनैतिक, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के पदाधिकारियों ने पहुंचकर अपने विचार व्यक्त करते हुए आर्यसमाज की इसी स्थान पर पुनः स्थापना के लिए मांग की। जिममें प्रमुख रूप से डॉ. रमाकान्त गोस्वामी (पूर्व मन्त्री दिल्ली), निगम पार्षद श्री यशपाल आर्य, आर्य केन्द्रीय सभा गुड़गांव के प्रधान मा. सोमनाथ, हरियाणा सभा के कोषाध्यक्ष श्री कन्हैयालाल आर्य जी, स्वामी प्रणवानन्द सरस्वती, आर्य पुरोहित सभा के प्रधान आचार्य प्रेमपाल शास्त्री, उत्तराखण्ड आर्य प्रतिनिधि सभा के उप प्रधान डॉ. विनय विद्यालंकार, छत्तीसगढ़ सभा के पूर्व प्रधान आचार्य दयासागर, अखिल

...शेष पेज 7 पर

विरोध जन सभा को सम्बोधित करते हुए (बाएं से दायें) महाशय धर्मपाल जी, श्री रोहतास आर्य, श्री विनोद बंसल, श्री विशेष रवि, श्री भारत भूषण चौपड़ा

विरोध जन सभा को सम्बोधित करते हुए (बाएं से दायें) श्री मास्टर रामपाल, श्री विनय विद्यालंकार, श्री स्वामी प्रणवानंद, श्री योगेन्द्र चन्दोलिया, श्री सुरेन्द्र कुमार रैली

विरोध जन सभा को सम्बोधित करते हुए (बाएं से दायें) श्री धर्मपाल आर्य, श्री देवेन्द्र पाल वर्मा, प्रवीण जैन, डॉ. रमाकान्त गोस्वामी (पूर्व परिवहन मंत्री दि.स.), महापौर श्री रविन्द्र गुप्ता।

यज्ञ में आहुति प्रदान करते दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान श्री धर्मपाल आर्य व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती वीणा आर्य , मंत्री श्री सुखवीर आर्य, श्री चतर सिंह नागर एवं अन्य।

धरने में उपस्थित मातृशक्ति

उ. दि. न. नि. के विरुद्ध विराट धरना प्रदर्शन की विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित कतरनें

नवोदय टाइम्स | नई दिल्ली • सोमवार • 25 मई 2015 | 6

मंदिर फिर बनाने के आश्वासन पर माने प्रदर्शनकारी

मंदिर तोड़े जाने के खिलाफ प्रदर्शन करते आर्य प्रतिनिधि सभा के सदस्य। फोटो: मिहिर सिंह

नई दिल्ली, 24 मई (ब्यूरो)। उत्तरी दिल्ली के किशनगंज स्थित ... डीसीएम रेलवे कॉलोनी स्थित आर्य समाज मंदिर को तोड़े जाने से आक्रोशित हिंदू धर्मावलम्बियों का प्रदर्शन रविवार को शांत हो गया। उत्तरी दिल्ली नगर निगम के महापौर रविंद्र गुप्ता ने प्रदर्शनकारियों के बीच जाकर मंदिर निर्माण का भरोसा दिया। इससे पहले दोपहर तक चले प्रदर्शन में महा यज्ञ का आयोजन भी मंदिर के सामने किया गया। प्रदर्शनकारियों के बीच दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के महामंत्री विनय आर्य ने कहा कि आर्य समाज की शक्ति को यदि कोई कम कर आंकता है तो उसकी बहुत बड़ी भूल होगी। जब तक मूल स्थान पर भव्य मन्दिर निर्माण नहीं होगा, तब तक हमारा आंदोलन जारी रहेगा। गौरतलब है कि बीते 20 मई को विकास कार्यों की आड़ में एमसीडी रेलवे कॉलोनी स्थित आर्य समाज मंदिर को पूरी तरह जमींदोज कर दिया था। यह खबर जैसे ही आर्य समाज व अन्य हिन्दू वादी संगठनों तक पहुंची तो लोग आक्रोश से भर उठे। दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, आर्य केंद्रीय सभा तथा अन्य संगठनों के पदाधिकारियों में से कुछ संबंधित सरकारी अधिकारियों से मिले और कुछ ने साथ ही साथ तोड़े गए मंदिर का पुनर्निर्माण प्रारंभ का सतत यज्ञ जारी रखा। प्रदर्शनकारियों में आर्य विद्वान स्वामी प्रणवानंद, आचार्य ... दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान धर्मपाल आर्य, आर्य केंद्रीय सभा के प्रधान व एमडीएच के संस्थापक महाशय धर्मपाल, आर्य समाज करोल बाग के प्रधान कीर्ति शर्मा, ... उत्तरी दिल्ली नगर निगम के पूर्व मेयर ... के अलावा बड़ी संख्या में महिलाएं व बच्चे भी शामिल हुए।

वीर अर्जुन, नई दिल्ली, 25 मई, 2015

आर्य समाज मंदिर तोड़े जाने पर प्रचण्ड प्रदर्शन

मेयर द्वारा पुनर्निर्माण घोषणा के बाद ही शांत हुए प्रदर्शनकारी

डीसीएम रेलवे कॉलोनी स्थित आर्य समाज मंदिर को तोड़े जाने को ले प्रदर्शन करते आक्रोशित हिंदू धर्मावलंबी।

नई दिल्ली, सोमवार, 25 मई 2015 | 3 | अर्ली मॉर्निंग

राजधानी दिल्ली में रविवार को मंदिर तोड़े जाने के विरोध में प्रदर्शन करते विभिन्न कार्यकर्ता।

मंदिर तोड़ने पर भड़के हिंदू संगठन

मेरी दिल्ली हिन्दी दैनिक | नई दिल्ली, शुक्रवार, 15 मई, 2015

देशभक्तों का केन्द्र आर्य समाज बचाओ
आर्य समाज डी.सी.एम. रेलवे कॉलोनी को संरक्षण देने की मांग

नई दिल्ली (वि.)। दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान धर्मपाल आर्य ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रेल मंत्री सुरेश प्रभु तथा उच्च अधिकारियों से आर्य समाज मंदिर, डी.सी.एम. रेलवे कॉलोनी को संरक्षण देने की मांग की है। सन् 1962 में पर्यावरण शुद्धि, समाज सुधार तथा शिक्षा प्रसार के लिए रेलवे विभाग ने लोक कल्याण की भावना से आर्य समाज मंदिर को स्थान उपलब्ध कराया था। आर्य समाज की स्थापना के विषय में रेलवे विभाग द्वारा आर्य समाज को आवंटित भूमि का रिकार्ड रेलवे विभाग में विद्यमान है जबकि रेलवे विभाग ने आधी कॉलोनी एम.सी.डी. विभाग को बेच दी है, जिसको रेलवे विभाग अनदेखी कर रहा है। श्रद्धालु यहां साप्ताहिक, मासिक एवं उत्सव कार्यक्रमों में शामिल होते रहते हैं। सभा प्रमुख धर्मपाल आर्य ने बताया कि रेलवे अधिकारी आर्य समाज के पुरोहित ... को आर्य समाज मंदिर को तोड़ने की धमकी दे रहे हैं, जो न्यायोचित नहीं। पिछले 53 वर्षों से क्षेत्र में समाज सेवा क्षेत्र के निवासियों में जागृति, देशभक्ति की भावनाओं के संचार के रचनात्मक कार्य किये जा रहे हैं। तीस हजारी से करोल बाग तक फ्लाई ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य चल रहा है। उसके नीचे सड़क चौड़ी की जानी है, उसके लिए रेलवे अधिकारी आर्य समाज तोड़ने के लिए दबाव बना रहे हैं। आर्य समाज के मंत्री चन्द्रमोहन आर्य ने बताया कि सन् 1975 में "अन्तर्राष्ट्रीय ... " का भव्य आयोजन था, जिसमें कार्यकर्ता रूप से इस आर्य समाज के संस्कार मिले व अनेक कार्यकर्ता सेवा कर रहे हैं।

वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता एवं पूर्व डी.डी.पी. चौ. चन्द्रभान (91 वर्षीय) के साथ मिलकर दिल्ली में राम प्रसाद बिस्मिल सुभाष चन्द्र बोस, अशफाक उल्ला खां, भगत सिंह, चन्द्रशेखर आजाद, खुदीराम बोस, वीरांगना प्रीतिलता उधम सिंह के शताब्दी समारोह मनाये गए। आगामी 8 मई, 2015 को इसी आर्य समाज मंदिर में ... बलिदान शताब्दी समारोह पर आर्य समाज 'राष्ट्रीय चेतना यज्ञ' का आयोजन हुआ। अभी तो देश को आजादी मिले 100 वर्ष भी नहीं हुए हैं, ऐसे में राष्ट्रीय संस्थाओं की अवहेलना हमारे महापुरुषों का घोर अपमान है। रेलवे अधिकारियों से सम्पर्क करने से कोई भी संतोषजनक कार्यवाही होती जबकि आजाद मार्केट चौक के समीप गुरुद्वारा तथा मस्जिद बचाने के लिए पुल की दिशा बदल दी गई, फिर आर्य समाज से भेदभाव क्यों?

शाह टाइम्स | नई दिल्ली, सोमवार, 25 मई 2015

आर्य समाज मंदिर तोड़े जाने पर किया प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के किशनगंज ... के नजदीक डीसीएम रेलवे कॉलोनी स्थित आर्य समाज मंदिर को तोड़े जाने से आक्रोशित हिंदू धर्मावलम्बियों ने कल विरोध स्वरूप जमकर प्रदर्शन किया। ... महा-यज्ञ का आयोजन भी मंदिर के सामने किया गया। प्रदर्शन कारियों को संबोधित करते हुए दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के महामंत्री विनय आर्य ने कहा कि आर्य समाज की शक्ति को यदि कोई कम कर आंकता है तो उसकी बहुत बड़ी भूल होगी। जब तक मूल स्थान पर भव्य मंदिर निर्माण नहीं होगा तब तक हमारा आंदोलन जारी रहेगा। ...

www.samaylive.com | सहारा | 5

आर्यसमाज मंदिर तोड़े जाने के विरोध में प्रदर्शन

पंजाब केसरी DELHI | punjabkesari.com | fb.me/pkdonline | 25 मई, 2015 | सोमवार

मंदिर तोड़े जाने के खिलाफ एकजुट हुआ आर्य समाज

तकरार

मेयर के आश्वासन के बाद थमा विवाद

नई दिल्ली, (ब्यूरो): डीसीएम रेलवे कॉलोनी स्थित आर्य समाज मंदिर को तोड़े जाने के विरोध में रविवार को आर्य समाज के लोगों ने धरना प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे लोगों की मांग थी कि पुनः जल्द से जल्द मंदिर का निर्माण कराया जाए। इस प्रदर्शन से पूर्व एक महायज्ञ का आयोजन भी मंदिर के सामने किया गया।

इस मौके पर दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के महामंत्री विनय आर्य ने कहा कि जब तक मूल स्थान पर भव्य मंदिर निर्माण नहीं होगा तब तक हमारा आंदोलन जारी रहेगा। इसी दौरान उत्तरी दिल्ली नगर निगम के महापौर रविंद्र गुप्ता भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शन कर रहे लोगों को आश्वासन दिया कि आर्य समाज जो कहेगा, वैसा किया जाएगा। इसके बाद प्रदर्शनकारी शांत हुए। प्रदर्शन के दौरान कुछ देर के लिए रानी झांसी रोड पर जाम लगने से वाहन चालक भी परेशान रहे।

गर्मी होने के बावजूद प्रदर्शनकारियों की भीड़ ... में मेयर रविंद्र गुप्ता। फोटो: ...

पंजाब केसरी DELHI | स्थानीय | 24 मई, 2015 | रविवार

मंदिर तोड़े जाने के विरोध में उतरा आर्य समाज

आस्था

मंदिर तोड़े जाने का विरोध करते हुए हवन किया

नई दिल्ली, (ब्यूरो): नगर निगम द्वारा आर्य समाज मंदिर डीसीएम रेलवे कॉलोनी को तोड़े जाने के विरोध में आर्य समुदाय के लोगों ने अपना विरोध जताया है। आर्य समाज से जुड़े लोगों ने मंदिर तोड़े जाने का विरोध करते हुए हवन किया। इस मौके पर मौजूद लोगों का कहना था कि इस तरह की कार्रवाई धार्मिक आस्था को आहत करने वाली है। किसी भी विरोध की आस्था ऐसे स्थलों से जुड़ी होती है। ... है। अगर उनकी मांगों पर गौर नहीं किया जाता है तो आने वाले दिनों में वह इसके लिए उग्र आंदोलन करेंगे। रविवार को विरोध स्वरूप धरना प्रदर्शन के माध्यम से वे लोग निगम निकाय को आगाह करेंगे। इसके लिए आर्य समाज से जुड़े लोगों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की गई है।

पंजाब केसरी DELHI | 21 मई, 2015 | गुरुवार

निगम ने तोड़ा आर्य समाज मंदिर, रोष

बाड़ा हिंदूराव स्थित आर्य समाज मंदिर को तोड़े जाने के बाद विरोध करते मंदिर कमेटी के लोग।

नई दिल्ली, (ब्यूरो): उत्तरी निगम के बाड़ा हिंदूराव अस्पताल के निकट डीसीएम रेलवे कॉलोनी में बने आर्य समाज मंदिर को बुधवार को निगम प्रशासन ने तोड़ दिया। इसको लेकर मंदिर आने वाले हजारों श्रद्धालुओं में रोष व्याप्त है।

दिल्ली आर्य केंद्रीय सभा के प्रधान महाशय धर्मपाल (एमडीएच) ने घोर निंदा की है। दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के महासचिव विनय आर्य का कहना है कि प्रशासन ने मंदिर तोड़ने से पहले किसी प्रकार की सूचना नहीं दी जबकि मंदिर किसी मार्ग के बीच भी नहीं आ रहा है।

नेशनल दुनिया | सोमवार • 25 मई 2015 | 02

पूर्वी दिल्ली के क्रॉस रीवर मॉल इलाके में आयोजित राहगिरी कार्यक्रम में उमड़े लोग

प्रदर्शन राजधानी में आर्य समाज का मंदिर ... जाने पर एमसीडी के खिलाफ प्रदर्शन करते आर्य समाज के लोग।

दिल्ली | हरिभूमि | नई दिल्ली, सोमवार, 25 मई, 2015

आर्य समाज मंदिर को तोड़े जाने पर जताया विरोध

हरिभूमि न्यूज, नई दिल्ली

- मेयर के आश्वासन के बाद शांत हुए प्रदर्शनकारी

उत्तरी दिल्ली के किशनगंज ... के नजदीक डीसीएम रेलवे कॉलोनी स्थित आर्य समाज मंदिर को तोड़े जाने से आक्रोशित हिंदू धर्मावलंबियों का प्रदर्शन रविवार को शांत हो गया। ...

सार्वदेशिक आर्य वीरांगना दल का राष्ट्रीय शिविर

सार्वदेशिक आर्य वीरांगना दल का विशाल राष्ट्रीय शिविर दिनांक 18 से 28 जून 2015 एस.एम.आर्य पब्लिक स्कूल, पंजाबी बाग वैस्ट, दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है। इस शिविर को दो भागों में विभक्त किया जाएगा-1. शिक्षिका प्रशिक्षण शिविर एवं 2. सामान्य शिक्षण शिविर **नोट :** जिन वीरांगनाओं ने चार शिविर किये हैं व उनकी आयु 15 वर्ष से अधिक है तो उन्हें पूर्ण शिक्षिका का प्रशिक्षण दिया जाएगा जिससे वे भविष्य में शिक्षिकाओं की पूर्ति कर सकें।

-मृदुला चौहान, संचालिका

वार्षिकोत्सव एवं गायत्री यज्ञ

आर्ष कन्या गुरुकुल महाविद्यालय, देहरादून में त्रिदिवसीय गायत्री यज्ञ एवं वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। **कार्यक्रम**-1 जून 2015, यज्ञ भजन एवं प्रवचन : प्रात: 7.0 से 9.30 बजे व सायं 4.0 से 7.0 बजे तक, वेद सम्मेलन : प्रात: 10.30 से अपरांह्न 1.0 बजे तक, 2 जून 2015 यज्ञ भजन एवं प्रवचन : प्रात: 7.0 से 9.30 बजे, संस्कृत एवं संस्कृति रक्षा सम्मेलन : प्रात: 10.30 से अपरांह्न 1.0 बजे तक, यज्ञ भजन एवं प्रवचन एवं महिला सम्मेलन : सायं 3.0 से 5.00 बजे, अस्त्र-शस्त्र प्रदर्शन : सायं 5.0 बजे से, 3 जून 2015, समापन समारोह, यज्ञ पूर्णाहुति : प्रात: 10 बजे, राष्ट्र रक्षा सम्मेलन : प्रात: 11 बजे से अपरांह्न 2 बजे तक। **-डॉ. वेद प्रकाश गुप्ता**

चरित्र निर्माण शिविर सम्पन्न

आर्य समाज महर्षि दयानन्द मार्ग, रायपुर दरवाजा बाहर, अहमदाबाद द्वारा आर्यवीरों वीरांगनाओं के लिए दिनांक 24,25,26 मई 2015 को त्रिदिवसीय ''चरित्र निर्माण शिविर'' का आयोजन किया गया। गुजरात प्रान्तीय आर्य प्रतिनिधि सभा के महामंत्री व आर्य वीर दल के अधिष्ठाता श्री हंसमुखभाई परमार ने अपने सम्बोधन में प्रश्नोत्तर के माध्यम से बौद्धिक ज्ञान प्रदान किया। मुख्य अतिथि आदरणीय सुरेशचन्द्र जी आर्य ने अपने सम्बोधन में कहा कि इतनी अल्प अवधि में भी बच्चों का शारीरिक व्यायाम इतना अच्छा रहा कि आगामी समय में एक सप्ताह का आवासीय शिविर रखने का विचार बनाना होगा। अन्त में अध्यक्षीय भाषण में संस्था के ट्रस्टी श्री पूनमचन्द जी नागर ने आगन्तुक अभिभावक एवं बच्चों को धन्यवाद दिया एवं शिविर के प्रशिक्षक श्री सत्यम आर्य व श्रीमती अभिलाषा आर्या के प्रति आभार व्यक्त किया।

कात्यायनमुनि विद्यापीठ का शुभारम्भ

महात्मा रसीला राम वैदिक वान प्रस्थाश्रम (आनन्दधाम आश्रम), गढ़ी ऊधमपुर (जम्मू काश्मीर) के ट्रस्टियों की बैठक आश्रम के प्रधान श्री भारत भूषण आनन्दजी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में सर्व सम्मति से आश्रम में ''कात्यायनमुनि विद्यापीठ'' की स्थापना करने का निर्णय लिया गया। विद्यापीठ में व्याकरण, छन्द, छ: दर्शन, निरूक्त आदि वैदिक वांड.मय का अध्यापन कार्य नि:शुल्क कराया जाएगा। विद्यापीठ में आचार्य सन्दीप आर्य जी ने नि:शुल्क विद्यादान देना स्वीकार किया जिसका सभी सदस्यों ने हार्दिक आभार व्यक्त किया। निर्णय लिया गया कि विद्यापीठ में होने वाले भोजन, आवास एवं पुस्तकों आदि का व्यय आश्रम वहन करेगा। विद्यापीठ में अध्ययन के इच्छुक एवं दानदाता महानुभाव सम्पर्क करें- आचार्य संदीप आर्य, आचार्य मो. 09466821003, श्री भारत भूषण आनन्द, प्रधान मो. 09419107788 एवं महात्मा चैतन्यमुनि, कुलपति मो. 09418053092

क्रान्तितीर्थ मांडवी कच्छ में मुख्यमंत्री का आगमन

गुजरात के मुख्यमंत्री श्रीमती आनन्दीबेन पटेल का माण्डवी में आगमण पर गुजरात प्रान्तीय आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान एवं सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के उप-प्रधान श्री सुरेशचन्द्र जी आर्य द्वारा श्यामजी कृष्ण वर्मा, क्रांति-तीर्थ माण्डवी में आगमन पर फूलहार व महर्षि दयानन्द सरस्वती का स्मृति चिंह्न प्रदान कर भव्य-स्वागत किया। इस शुभ-अवसर पर प्रान्तीय सभा के उप प्रमुख श्रीवाचोनिधि आर्य, आर्य समाज माण्डवी के प्रमुख श्री नवीन भाई वेलाणी, आर्य समाज अहमदाबाद के धर्माचार्य श्री दिवाकर शास्त्री श्यामजी कृष्ण वर्मा के अस्थि- कुम्भ लाने में मुख्य भूमिका निभाने वाले और गुरुकुल भवानीपुर के ट्रस्टी श्री मंगल भाई भानुशाली आदि उपस्थित थे। गुजरात की प्रथम महिला मुख्य मंत्री श्रीमती आनन्दीबेन पटेल ने कहा कि हम आर्य समाज एवं स्वामी दयानन्द के ऋणी हैं व आप सबके आभारी हैं।

''शत हस्त समाहर सहस्र हस्त सं किर'' - सौ हाथों से कमाओ हजार हाथों से दान करो

पीड़ितों की सेवा ही हम सबका राष्ट्रीय एवं धार्मिक कर्त्तव्य

आर्यजन दिल खोलकर दान दें

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के आह्वान पर सभा को नेपाल भूकम्प पीड़ितों की सहायतार्थ प्राप्त दान सूची

गतांक से आगे :-

153. आर्य समाज मॉडल बस्ती शीदीपुरा 5100/-
154. श्री प्रिया एस शेट्टी 1001/-
155. डॉ. जे. एस. बाल्यान 5000/-
156. आर्य समाज डोरी वालान 11000/-
157. आर्य समाज पश्चिम विहार 15010/-
158. श्री हर्षवर्धन बत्रा 500/-
159. आर्य समाज जवाहर नगर, पलवल 5100/-

आर्य समाज विवेक विहार द्वारा एकत्रित की गई दान राशि

160. श्रीमती उषा किरन आर्य 1000/-
161. श्री राकेश मल्होत्रा 31000/-
162. श्री गजेन्द्र सिंह सक्सेना 1000/-
163. श्री यशपाल जी 1000/-
164. श्री आर.पी. वर्मा 1000/-
165. श्रीमती ईश्वर देवी 1000/-
166. श्रीमती शशि किरन 500/-
167. श्रीमती शकुन्तला पटनी 500/-
168. श्रीमती राज कुमारी शर्मा 500/-
169. श्रीमती इन्द्रा मित्तल 500/-
170. श्रीमती सत्या सचदेव 500/-
171. श्रीमती डॉ. सुमन बजाज 500/-
172. श्री एस.पी. सिंह चौहान 500/-
173. श्रीमती शकुन्तला सैनी 200/-
174. गुप्त दान 100/-
175. कैनरा बैंक अंचल कार्यालय 2222/-

इस मद में दान देने वाले दानी महानुभावों के नाम इसी प्रकार आर्य संदेश के आगामी अंकों में भी प्रकाशित किये जाएंगे। -महामंत्री

नेपाल भूकम्प पीड़ितों की सहायतार्थ आर्यजनों से अपील

सभा का प्रयास आवासीय सेन्टर बनाने का रहेगा
एक शेल्टर बनाने की अनुमानित लागत 50 हजार रुपए होगी

आर्यजनों से विनम्र निवेदन है कि **"नेपाल भूकम्प राहत कोष हेतु सहयोग देवें"** सार्वदेशिक सभा कार्यालय नेपाल केन्द्रीय आर्यसमाज, **टंक प्रसाद मार्ग, बालेश्वर हाईट्स, काठमाण्डू (नेपाल)** संपर्क करें मो. 00977-9860481314 अथवा (1) श्री कमलकांत आत्रेय 00977-9841677706 (2) श्री माधव प्रसाद 00977-9841303440 (3) श्री तारानाथ मैनाली 00977-9851077613

अधिकाधिक मात्रा में खाद्य सामग्री, दूध पाउडर, नए कपड़े, धोती, तौलिए तथा अन्य जरूरतों के सामान के साथ-साथ आर्थिक सहयोग राशि भेजें।

कृपया अपनी सहयोग राशि चैक/बैंक ड्राफ्ट/नकद 'सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा' के नाम कैम्प कार्यालय- **15 हनुमान रोड, नई दिल्ली-110001 के** पते पर भेजें।

दानी सज्जन/संस्थाएं अपनी दान राशि निम्न बैंक खाते में सीधे भी जमा करा सकते हैं-

'सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा' - खाता सं. 09481000000276, पंजाब एंड सिंध बैंक शाखा कालकाजी, नई दिल्ली, IFSC - PSIB 0020948 MICR - 110023121

यदि आप अपनी **दान राशि पर आयकर छूट** चाहते हैं तो कृपया अपनी दानराशि **'दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा'** के नाम भेजें अथवा निम्न बैंक खाते में जमा कराएं। दिल्ली सभा को दिया गया समस्त दान आयकर की धारा 80जी के अन्तर्गत आयकर छूट प्राप्त है।

दानी सज्जन/संस्थाएं अपनी दान राशि निम्न बैंक खाते में सीधे भी जमा करा सकते हैं-

'दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा' खाता सं. 910010008984897, एक्सिस बैक शाखा करोलबाग, नई दिल्ली, IFSC - UTIB0000223 MICR - 110211025

कृपया अपनी दान राशि जमा करने के तत्काल बाद नम्बर 9540040339 पर सूचित करें तथा **aryasabha@yahoo.com** पर डिपॉजिट स्लिप ईमेल करें ताकि उन्हें रसीद भेजी जा सके। **दानी महानुभावों, आर्यसमाजों, व्यापारिक एवं शैक्षिणिक संस्थाओं द्वारा दी जाने वाली राशि तथा राहत सामग्री की सूची सभा के साप्ताहिक पत्र "आर्य सन्देश" में निरन्तर प्रकाशित की जाएगी।**

विशेष:- सभी दान-दाताओं एवं आर्य संस्थाओं से निवेदन है कि दिल्ली सभा को संपर्क करके ही सामान भेजें।

सभा कार्यालय नम्बर 011-23360150 (समय : 12.00 बजे से सायं 8.00 बजे)

वेद प्रचार एवं महर्षि दयानंद के संदेशों को प्रसारित करने के लिए पुस्तक मेला

पूर्वोत्तर राज्यों में वेद प्रचार एवं महर्षि दयानंद सरस्वती के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने हेतु दिनांक 8 से 16 जून 2015 तक स्टेट सेंट्रल लाईब्रेरी,शिलांग, मेघालय में विशाल पुस्तक मेले का आयोजन किया जा रहा है। यह पुस्तक मेला नेशनल बुक ट्रस्ट की ओर से आयोजित किया जा रहा है जिसके अन्तर्गत दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा एवं आर्य समाज शिलांग के संयुक्त प्रयासों से वेद प्रचार एवं महर्षि दयानंद के संदेशों को पूर्वोत्तर राज्यों में प्रसारित करने का प्रसास किया जा रहा है।

मेले की विशेषता : पुस्तक मेले में अहिन्दी भाषी क्षेत्रों के लिए अंग्रेजी भाषा में वैदिक साहित्य उपलब्ध होगा।

स्थान : स्टेट सेंट्रल लाईब्रेरी, शिलांग, मेघालय

संपर्क सूत्र : श्री शिव प्रसाद शर्मा. मो. 09436110517

वैदिक विद्वान् 'डॉ. महेश विद्यालंकार जी 'वेद रत्न' से सम्मनित'

आर्य जगत् के सुप्रसिद्ध विद्वान् डॉ. महेश विद्यालंकार जी को उनकी आर्य समाज एवं वैदिक धर्म के प्रति निष्ठा सेवा पूर्वक तथा महर्षि दयानन्द सरस्वती की मान्यताओं के प्रचार-प्रसार हेतु किये गए योगदान को स्मरण करते हुए 'अग्निहोत्री धमार्थ ट्रस्ट' ने स्वामी दीक्षानन्द सरस्वती के 'प्रेरणा दिवस' समारोह में 15 मई 2015 को 'आर्ष कन्या गुरुकुल' चोटी पुरा में स्मृति चिह्न एवं 11000/- रु. की राशि सहित 'वेद रत्न पुरस्कार' से सम्मानित किया । आदरणीय डॉ. महेश विद्यालंकार जी द्वारा उपरोक्त राशि 'गुरुकुल चोटीपुरा को विनम्रता पूर्वक भेंट करने पर मंच पर उपस्थित विद्वत्गण तथा समारोह में उपस्थित आर्यजन समूह ने उल्लास पूर्वक करतल ध्वनि से उनकी उदारता का स्वागत किया। स्वामी दीक्षानन्द सरस्वती जी के प्रेरणा दिवस पर उनके प्रेरक जीवनवृत्त पर प्रकाश डाला और स्वामी जी के जीवन दर्शन से सबको प्रेरणा लेने का आग्रह किया। 'आर्ष गुरुकुल चोटीपुरा' की आचार्या डॉ. सुमेधा जी ने डॉ. महेश जी के जीवन एवं आर्य समाज के क्षेत्र में उनके योगदान की चर्चा करते हुए उनका धन्यवाद किया तथा विद्वद् मण्डल और आगन्तुकों का आभार व्यक्त किया।

-पं. प्रद्युम्न शस्त्री, धर्माचार्य

योग साधना शिविर (प्राथमिक व द्वितीय स्तर)

परोपकारिणी सभा, अजमेर के सौजन्य से योग साधना शिविर 14 से 21 जून 2015 तक ऋषि उद्यान, पुष्कर मार्ग, अजमेर में आयोजित किया जाएगा। शिविर में भाग लेने वाले महानुभाव 14 जून सायं 4:00 बजे तक शिविर स्थल पर अवश्य पहुंच जाएं। शिविर समापन 21 जून दोपहर 1:00 बजे होगा। जाने का मार्ग - रेलवे स्टेशन व बस स्टैण्ड से (वाया आगरा गेट/ फब्वारा चौक) वाया सागर की ओर जाने वाली सिटी बस या ओटो रिक्शा सर्वदा सुलभ है। अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें।

मंत्री, परोपकारिणी सभा
0145-2460164

पृष्ठ 7 का शेष **दिल्ली में 50 ...**

भारतीय दयानन्द सेवाश्रम संघ के महामन्त्री श्री जोगेन्द्र खट्टर, आर्य केन्द्रीय सभा के महामन्त्री श्री राजीव आर्य, आर्य वीर दल के शिक्षक श्री रोहतास आर्य, सार्वदेशिक आर्य वीरांगना दल की प्रधाना साध्वी उत्तमायति आदि सहित आर्यवीर दल दिल्ली प्रदेश, आर्य वीरांगना दल दिल्ली, प्रान्तीय आर्य महिला सभा, दयानन्द सेवाश्रम संघ, आर्य महिला आश्रम, तथा अन्य अनेक सहयोगी संगठनों विश्व हिन्दू परिषद, भारतीय हिन्दू महा सभा, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, बजरंग दल, शिवसेना, डी.ए.वी. संगठन, गुरुकुलों, विद्यालयों के पदाधिकारियों, सदस्यों, छात्रों एवं अनुयायियों ने पहुंचकर आर्यसमाज मन्दिर को इसी स्थान पर पुन: स्थापित करने की मांग को दोहराया। कार्यक्रम के संयोजन एवं व्यवस्था बनाने में निकटवर्ती आर्यसमाजों - आर्यसमाज करोल बाग, आर्यसमाज डोरीवालान, आर्यसमाज मॉडल बस्ती, आर्यसमाज प्रताप नगर एवं आर्यसमाज पुल बंगश के अधिकारियों आचार्य दयासागर, संतोष शास्त्री, आचार्य जीवर्धन, सर्व श्री प्रदीप गोगिया, आदर्श कुमार, जयप्रकाश शास्त्री, बिजेंद्र आर्य, संजीव आर्य, सुभाष कोहली, एस.पी. सिंह, सुरेंद्र चौधरी, देवेन्द्र आर्य, नरेश पाल आर्य, रणधीर कुमार, विरेन्द्र आर्य, चन्द्रमोहन आर्य तथा अन्य कार्यकर्त्ताओं ने सराहनीय सहयोग प्रदान किया। दिल्ली के पुरोहित वर्ग ने निरन्तर पहुंचकर यज्ञ व्यवस्था को संचालित रखा। आर्य केन्द्रीय सभा के महामंत्री राजीव आर्य ने आन्दोलन की व्यवस्था की। अखिल भारतीय सेवा श्रम संघ के सैकड़ों सदस्य एवं महामंत्री श्री जोगेन्द्र खट्टर ने समय पर समाधान न होने पर वृहत् आन्दोलन की चेतावनी दी। अन्त में सभा प्रधान श्री धर्मपाल आर्य जी ने समस्त उपस्थित आर्यजनों का हार्दिक धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि अभी यह आन्दोलन स्थगित किया गया है। यदि आवश्यकता हुई तो आप सबको पुन: सूचित किया जाएगा। आप बड़े और विशाल आन्दोलन के लिए तैयार रहें।

आर्य वीर दल शिविर 1 जून से 8 जून 2015 तक

आयोजक- दयानन्द मठ, दीनानगर
स्थान- दयानन्द मठ, धण्डरां

दयानंद मठ धण्डरां में आर्य वीर दल का शिविर स्वामी सदानन्द जी की अध्यक्षता में 1 जून से 8 जून 2015 तक विशाल स्तर पर लगाया जा रहा है, दयानन्द मठ, दीनानगर में शिविर का उद्घाटन मुख्यातिथि श्री रघुवीर सैनी (सरपंच ग्राम झन्गी) ओ३म् ध्वजारोहण के साथ करेंगे। तत्पश्चात् आर्य वीर दल के विशेष सहयोगी रमेश आर्य एवं मा. रघुवीर सैनी के नेतृत्त्व में सभी आर्य वीरों को बसों द्वारा धण्डरां मठ पहुंचाया जायेगा।

आवश्यक समान : खाकी हॉफ पैन्ट, सफेद शर्ट, बनियान, सफेद जूते, लाठी, पैन, नोट बुक, बर्तन, ऋतु अनुकुल बिस्तर।

-प्रबंधक, स्वामी संतोषानन्द जी
मो. 09417220110

वीरेश प्रताप चौधरी स्मृति पुरस्कार संस्थापन एवं चन्द्र आर्य विद्या मंदिर विज्ञान व कम्प्यूटर प्रयोगशाला उद्घाटन

पद्मश्री विभूषित समाज सेवी आर्य संस्थाकुल प्रणेता शिक्षाविद् एवं विधिवेत्ता श्री वीरेश प्रताप चौधरी की 77वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में 'वीरेश प्रताप चौधरी स्मृति पुरस्कार' संस्थापन एवं चन्द्रआर्य विद्या विज्ञान व कम्प्यूटर प्रयोगशाला का उद्घाटन श्री रजत शर्मा अध्यक्ष इंडिया टी.वी. के कर कमला. द्वारा एवं अतिथि श्री सुभाष आर्य महापौर, दक्षिण दिल्ली नगर निगम, डॉ. भूरे लाल, पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी की अध्यक्षता में दिनांक 31 मई 2015 सायं 5.30 बजे होगा।

स्थान : आर्य सभागार, देसराज परिसर, सी ब्लाक, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली, **निवेदक :** श्री सुशील प्रकाश चौधरी प्रधान, चन्द्रवती चौधरी स्मारक ट्रस्ट, श्रीबाला चौधरी प्रधान चन्द्र आर्य विद्या मंदिर, श्री सुधीर गुप्ता प्रधान आर्य अनाथालय, श्री नीतिन्जय चौधरी सचिव चन्द्रवती चौधरी स्मारक ट्रस्ट, आर्य अनाथालय।

प्रवेश सूचना श्री गुरु विरजानन्द गुरुकुल महाविद्यालय करतारपुर जिला जालन्धर में सत्र 2015-16के प्रवेश 20 जून 2015 से प्रारम्भ हो रहे हैं जिसमें कक्षा 5, 6, 7 तथा 8 में उत्तीर्ण व शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ छात्रों को प्रवेश दिया जाएगा। प्रवेश परीक्षा प्रात: 10 बजे से प्रारम्भ होगी जिसके लिए विद्यार्थियों को प्रात: 9 बजे विद्यालय पहुंचना होगा। परीक्षार्थी चार पासपोर्ट साईज फोटो, उत्तीर्ण परीक्षा का प्रमाण पत्र तथा स्थानान्तरण पत्र साथ लाएं। परीक्षार्थी सफेद कुर्ता पायजामा पहन कर ही परीक्षा में बैठ सकेंगे। **- श्री उदयन आर्य, प्राचार्य मो. 09888764311**

पुरोहित चाहिए एक सुयोग्य एवं विद्वान पुरोहित एवं आचार्य की आवश्यकता है जो रानी बाग आर्य समाज में पुरोहित के साथ-साथ चले रहे गुरुकुल के बालकों की भी देखभाल का दायित्व निभाए। **-जोगेंद्र खट्टर, प्रधान, मो. 9810040982**

सेवक चाहिए आर्य समाज मानसरोवर गार्डन को आवश्यकता है एक विश्वास पात्र सेवक की, जो आर्य समाज के विचारों से प्रेरित हो। यथा योग्य वेतन के साथ आवास व्यवस्था नि:शुल्क प्रदान की जाएगी।

-श्री लक्ष्मण देव, महामंत्री, मो. 09811064653

वधू चाहिए हैदराबाद के हैटेकसिटी में कार्यरत 34 वर्षीय विकलांग साफ्टवेअर इंजिनियर को, 24 से 26 वर्षीय, कम से कम 10 वीं तक शिक्षित, वैदिक संस्कृति- संस्कार युक्त, सौम्य- प्रशांत प्रवृत्ति युक्त, एवम् शुद्ध शाक. ाहारी, गरीब परिवार की या अनाथाश्रम में रहने वाली या कन्या गुरुकुल में पढने वाली वधु चाहिए। जात-पात का बन्धन नहीं। गुण-कर्म-स्वाभाव को ही प्राथमिकता दी जाएगी। **संपर्क : 08142772392, 09885667682**

ओ३म्
भारत में फैले सम्प्रदायों की निष्पक्ष व तार्किक समीक्षा के लिए उत्तम कागज, मनमोहक जिल्द एवं सुन्दर आकर्षक मुद्रण
(द्वितीय संस्करण से मिलान कर शुद्ध प्रामाणिक संस्करण)
सत्य के प्रचारार्थ
सत्यार्थ प्रकाश
सत्य के प्रचारार्थ

• प्रचार संस्करण (अजिल्द) 23×36=16	मुद्रित मूल्य 50 रु.	प्रचारार्थ 30 रु.	प्रचारार्थ मूल्य पर कोई कमीशन नहीं
• विशेष संस्करण (सजिल्द) 23×36=16	मुद्रित मूल्य 80 रु.	प्रचारार्थ 50 रु.	
• स्थूलाक्षर सजिल्द 20×30=8	मुद्रित मूल्य 150 रु.		प्रत्येक प्रति पर 20% कमीशन

10 या 10 से अधिक प्रतियाँ लेने पर विशेष अतिरिक्त कमीशन
कृपया, एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें और महर्षि दयानन्द की अनुपम कृति **सत्यार्थ प्रकाश** के प्रचार प्रसार में सहभागी बनें
आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट
427, मन्दिर वाली गली, नया बांस, दिल्ली-6
Ph. :011-43781191, 09650622778
E-mail : aspt.india@gmail.com

साप्ताहिक आर्य सन्देश

25 मई से 31 मई, 2015

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15-हनुमान् रोड, नई दिल्ली-110001

दिल्ली पोस्टल रजि.नं0 डी.एल.(एन.डी.)-11/6071/2015-2017

नई दिल्ली पी.एस.ओ. में पोस्ट करने का दिनांक 28 मई/29 मई, 2015

पूर्व भुगतान किए बिना भेजने का लाइसेन्स नं0 यू0 (सी0) 139/2015-2017

आर. एन. नं. 32387/77 प्रकाशन तिथि: बुधवार 27 मई, 2015

प्रतिष्ठा में,

आर्यजन कृपया ध्यान दें आर्यसमाजों में प्रचार हेतु
एम.डी.एच. वेद प्रचार वाहन की सेवाओं का लाभ लें

सभी समाजों के अधिकारियों से सानुरोध प्रार्थना करते हुए विशेष सूचना दी जा रही है कि दिल्ली आर्य प्रतिनिधि द्वारा जो प्रचार वाहन चलाया जा रहा है उसमें बहुत अच्छा भजनीक है जो अपने साथियों के साथ सुन्दर भजन व प्रचार का कार्य कर रहा है। आप इनको वाहन सहित या जिस आर्य समाज मन्दिर के आगे वाहन खड़ा करने की जगह न हो तो भी भजनीक को बुला सकते हैं। वाहन में वैदिक साहित्य प्रचार सामग्री भी उपलब्ध रहेगी। इस वाहन पर होने वाला खर्चा जैसे भजनीक, वादक व वाहन चालक तथा सहायक सभी का खर्चा व वेतन आपकी दि.आ.प्र.सभा द्वारा व्यय किया जाता है। यदि आप इसका लाभ उठायें जिससे प्रचार कार्य सरलता पूर्वक बढ़ता रहे, जिसकी समाज को अपेक्षा है। **सम्पर्क करें- एस.पी. सिंह मो. 9540040324**

'आस्था' पर प्रेरक वैदिक प्रवचन - प्रतिरात्रि: 9:30 बजे

प्रत्येक सोमवार एवं मंगलवार	- आचार्य ज्ञानेश्वरार्य	(प्रेरक-प्रवचन)
प्रत्येक बुधवार	- वक्ता: आचार्य अखिलेश्वर जी	(श्री मद्भगवद्गीता और कर्म का सिद्धांत)
प्रत्येक गुरुवार	-डॉ. विनय विद्यालंकार	(उत्तम संतान निर्माण)
प्रत्येक शुक्रवार व शनिवार	- डॉ. वागीश आचार्य	(सफल जीवन के मूल मंत्र)

व्हाट्स एप्प पर सूचना मंगाने हेतु
दिल्ली सभा द्वारा व्हाट्स एप्प नं. 09540045898 जारी

आर्य समाज से जुड़ने व सोशल मीडिया द्वारा आर्य समाज सम्बन्धी सूचना व्हाट्स एप्प पर प्राप्त करने के लिए इस नम्बर 09540045898 को अपने फोन में सेव करके इस नम्बर पर अपना नाम राज्य लिखकर भेजें, ध्यान रहे आपके फोन में ये नम्बर सेव होने पर ही सूचना आप तक पहुँच पाएगी। - **महामंत्री, मो. 9958174441**

गुमशुदा

मेरे भाई, श्री रामकृष्ण मित्तल पुत्र श्री माधोराम मित्तल निवासी ग्राम व डाक झिझांना जिला -शामली उ0प्र0 की 2 वर्ष से कोई जानकारी नहीं है। 10 वर्ष पहले चोट लगने से विकलांग हो गए थे। ये मित्तल शामली वाले नाम से प्रसिद्ध हैं और सारे भारत में घूम-घूम कर दीवारों पर लेखन से प्रचार करते रहे हैं। कृपया सूचना निम्न पते पर देने की कृपा करें। - **ब्रजभूषण मित्तल सुपुत्र माधोराम मित्तल, झिंझाना (शामली)**

मो. 8394051900, 09412639870

कन्या मानवता संस्कार व आर्य वीरांगना शिविर

महाराष्ट्र आर्य प्रतिनिधि सभा, आर्य समाज हिंगोली एवं दयानंद एजूकेशन सोसायटी के संयुक्त तत्त्वावधान में 'कन्या मानवता संस्कार व आर्य वीरांगना शिविर' का आयोजन 1 जून से 7 जून 2015 तक सरोज देवी भिक्कू वाला भारुका कन्या विद्यालय बस, स्थानका समोर हिंगाली, महाराष्ट्र में सम्पन्न होगा जिसमें कक्षा 5 पास अथवा 12 वर्ष या अधिक आयु वाली स्वस्थ छात्राएं ही भाग लेवें।

विशेष : 1. शिविरार्थिनी 31 मई सायं 6 बजे तक शिविर स्थान पर अवश्य पहुंचे 2. शिविर शुल्क 50 रुपये व प्रवेश पत्र, फोटो सहित शिविर कार्यालय में जमा करायें। 3. आवश्यक वस्तु वस्त्र व स्टेशनरी साथ लाएं। **अनिल ओम प्रकाश भारूका, मंत्री**

आर्य समाज तेलीपुरा ने तृतीय स्थापना दिवस मनाया

कार्यक्रम का शुभारम्भ श्री रामेश्वरानंद जी सरस्वती द्वारा वैदिक यज्ञ से हुआ। यज्ञीय प्रार्थना के बाद ध्वजारोहण किया गया। तत्पश्चात् श्री रमेश चन्द्र निश्चिंत, उसंड भजनोपदेशक जी ने भजनों के माध्यम से महर्षि दयानंद सरस्वती जी के उपकारों पर चर्चा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री योगराज शर्मा जी ने की।

पुरोहितों की आवश्यकता

दिल्ली सभा को ऐसे पुरोहितों की आवश्यकता है जो सामान्य यज्ञ को विधि-विधान पूर्वक करा सके। यज्ञ की सार्थकता को साधारणत: यजमान परिवार को समझा सकें। शीघ्र सम्पर्क करें।

संदीप आर्य, मो. 9650183339

Email: aryasabha@yahoo.com

सम्पादक, मुद्रक एवं प्रकाशक धर्मपाल आर्य ने दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के लिए हरि हर प्रैस, ए-29/2, नरायणा औद्यो. क्षेत्र-1, नई दिल्ली-28 से छपवाकर दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15-हनुमान रोड, नई दिल्ली-1, टैलीफैक्स : 23360150, 23365959, E-mail : aryasabha@yahoo.com से प्रकाशित किया।

सम्पादक : धर्मपाल आर्य सह सम्पादक : विनय आर्य व्यवस्थापक : शिवकुमार मदान सह व्यवस्थापक : आर्य डॉ0 ओमप्रकाश भटनागर, एस. पी. सिंह